भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2375
उत्तर देने की तारीख-03/08/2026

कर्नाटक के कोलार जिले में पीएम श्री योजनाएं

†2375. **श्री एम. मल्लेश बाबू:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के उद्देश्यों को प्रदर्शित करने के लिए पीएम श्री (प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना के अंतर्गत कर्नाटक के कोलार जिले में चुने गए विद्यालयों का ब्यौरा क्या है और उनके चयन के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;
(ख) इस योजना के अंतर्गत उक्त जिले में स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल प्रयोगशालाओं, एकीकृत शिक्षण स्थलों, खेल अवसंरचना, पुस्तकालयों और प्रौद्योगिकी-समर्थित शिक्षण सुविधाओं के विकास के लिए कार्यान्वित की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;
(ग) पीएम श्री स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के बीच अनुभवात्मक अधिगम, कोडिंग शिक्षा, व्यावसायिक प्रदर्शन, पर्यावरणीय जागरुकता, नवाचार और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) जिले में अतिरिक्त विद्यालयों तक इस योजना का लाभ बढ़ाने और आस-पास के शैक्षणिक संस्थानों के लिए उत्कृष्टता केन्द्रों के रूप में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): पीएम श्री योजना के तहत, कर्नाटक के कोलार जिले से 1 नवोदय विद्यालय सहित कुल 13 पीएम श्री स्कूलों को चयनित किया गया है। पीएम श्री स्कूलों का विवरण पीएम श्री योजना की वेबसाइट https://pmshri.education.gov.in/state. के लिंक पर देखा जा सकता है। पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों को चयनित करने के लिए सरकार द्वारा अपनाए गए मानदंड पीएम श्री फ्रेमवर्क की "चयन पद्धति" के तहत प्रदान किए गए हैं, जो https://pmshri.education.gov.in/assets/pdf/part1_pmshri.pdf लिंक पर उपलब्ध हैं।

(ख): पीएम श्री योजना के तहत, कर्नाटक के कोलार जिले के पीएम श्री स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल प्रयोगशालाओं, एकीकृत शिक्षण स्थानों, खेल अवसंरचना, पुस्तकालयों और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण सुविधाओं के माध्यम से स्कूल अवसंरचना को सुदृढ़ करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विभिन्न पहलें कार्यान्वित की गई हैं। कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, इन हस्तक्षेपों के लिए इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिसका ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग): पीएम श्री योजना के तहत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के अनुरूप अनुभवात्मक, गतिविधि-आधारित और योग्यता-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रावधान है। इन स्कूलों में शिक्षाशास्त्र शिक्षार्थी-केंद्रित, पूछताछ-संचालित, खोज-उन्मुख, चर्चा-आधारित, व्यवहार्य और आनंददायक है, जिसमें अवधारणात्मक समझ और वास्तविक जीवन की स्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग पर बल दिया गया है। यह योजना छात्रों को अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए नवीन शिक्षाशास्त्र, अधिगम में वृद्धि कार्यक्रम, समग्र प्रगति कार्ड, बैगलेस डे, स्थानीय कारीगरों के साथ इंटर्नशिप, अनुभव दौरे, प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा सलाह और परियोजना-आधारित शिक्षा का भी समर्थन करती है।

यह योजना आईसीटी अवसंरचना, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल पुस्तकालयों और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करके कोडिंग शिक्षा और डिजिटल दक्षताओं को भी बढ़ावा देती है। यह छात्रों को 21वीं सदी के कौशल से सुसज्जित करने और रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और समस्या को सुलझाने की क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए कक्षा शिक्षण में डिजिटल शिक्षाशास्त्र, कोडिंग और कम्प्यूटेशनल सोच के एकीकरण की परिकल्पना करती है।

कौशल शिक्षा के लिए, एनईपी 2020 के साथ अनुकूलित पीएम श्री योजना में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों पर कौशल शिक्षा को मुख्यधारा के पाठ्यक्रम में एकीकृत करने का प्रावधान है, जिससे छात्रों को भविष्य के लिए आवश्यक कौशल से सुसज्जित किया जा सके। इसमें साधन और उपकरण, कच्चा माल, प्रशिक्षक, प्रशिक्षकों के लिए सेवाकालीन और प्रेरण प्रशिक्षण, छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्र कौशल परिषदों के साथ संबंध आदि प्रदान करके कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना का प्रावधान है। छात्रों को संगठन / कंपनियों के साथ इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है।

पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, वर्षा जल संचयन, सौर पैनलों और एलईडी प्रकाश व्यवस्था का उपयोग करके ऊर्जा-कुशल अवसंरचना, प्राकृतिक खेती पर आधारित पोषण उद्यान, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त परिसर और जल संरक्षण प्रथाओं जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहलों को शामिल करके पीएम श्री स्कूलों को ग्रीन स्कूल के रूप में विकसित करने का प्रावधान है। यह योजना छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन जागरूकता, जैविक जीवन शैली और दीर्घकालिक विकास से संबंधित पारंपरिक प्रथाओं के अध्ययन को भी प्रोत्साहित करती है।

पीएम श्री का उद्देश्य शिक्षण संवर्धन कार्यक्रमों, नवीन शिक्षाशास्त्र, योग्यता-आधारित मूल्यांकन, प्रौद्योगिकी के एकीकरण और निरंतर शिक्षक क्षमता निर्माण के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना है। पीएम श्री स्कूल एनईपी 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने के लिए अनुकरणीय संस्थानों के रूप में काम करते हैं और नवीन शिक्षण-अधिगम प्रथाओं को बढ़ावा देकर पड़ोस के स्कूलों को बेंचमार्किंग नेतृत्व प्रदान करते हैं।

इसके अलावा, पीएम श्री योजना संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, भौतिक और नैतिक विकास को बढ़ावा देकर प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास पर केंद्रित है। इस योजना का उद्देश्य शिक्षा, खेल, कला, व्यावसायिक शिक्षा, जीवन कौशल, बहुभाषी शिक्षा, मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान, कैरियर मार्गदर्शन, समावेशी शिक्षा और सुरक्षित, न्यायसंगत और आनंदमय अधिगम वातावरण के एकीकरण के माध्यम से 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से सुसज्जित व्यक्तियों का निर्माण करना है।

(घ): पीएम श्री योजना के तहत, पीएम श्री स्कूलों का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सभी पहलों को प्रदर्शित करना, अनुकरणीय स्कूल बनना और पड़ोस के अन्य स्कूलों को बेंचमार्किंग नेतृत्व प्रदान करना है। ये स्कूल एक न्यायसंगत, समावेशी और आनंदमय स्कूल वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करते हैं जो विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी जरूरतों और बच्चों की विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ख्याल रखता है और एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुसार उन्हें अपनी अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाता है।

*****

अनुलग्नक

"कर्नाटक के कोलार जिले में पीएम श्री योजनाएं" के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री एम. मल्लेश बाबू द्वारा दिनांक 03.08.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2375 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल प्रयोगशालाओं, एकीकृत शिक्षण स्थानों, खेल के बुनियादी ढांचे, पुस्तकालयों और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण सुविधाओं के लिए पीएम श्री योजना के तहत प्रदान की गई वित्तीय सहायता इस प्रकार है।:

स्मार्ट क्लासरूम और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण सुविधाएं

क्र. सं.	घटक	वित्तीय वर्ष	आवंटन (₹ लाख में)
1	डिजिटल सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर/आईसीटी, स्मार्ट क्लासरूम और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं	2025-26	7
2	डेस्कटॉप कंप्यूटर/टैबलेट	2025-26	2.4
3	डिजिटल सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर/आईसीटी, स्मार्ट क्लासरूम और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं	2026-27	27.5

डिजिटल प्रयोगशालाएं और एकीकृत शिक्षण स्थान

क्र. सं.	घटक	वित्तीय वर्ष	आवंटन (₹ लाख में)
1	कार्यशाला/प्रयोगशाला-सह-कक्षाएँ	2025-26	28.9
2	विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण	2025-26	8
3	एकीकृत विज्ञान प्रयोगशालाएं	2025-26	19.29
4	आउटडोर विज्ञान पार्क	2025-26	4
5	विज्ञान सर्किल	2025-26	3.44
6	गणित सर्किल	2025-26	3.44

पुस्तकालय अवसंरचना और पढ़ने की जगह

क्र. सं.	घटक	वित्तीय वर्ष	आवंटन (₹ लाख में)
1	पुस्तकालय अनुदान	2024-25	1.3
2	पुस्तकालय कक्षों का निर्माण और लघु मरम्मत	2024-25	26.03
3	रीडिंग कॉर्नर	2025-26	7.2
4	पुस्तकालय अनुदान	2026-27	1.9

खेल अवसंरचना

क्र. सं.	घटक	वित्तीय वर्ष	आवंटन (₹ लाख में)
1	खेल के मैदानों और इनडोर/आउटडोर खेल सुविधाओं का विकास	2025-26	3.7
2	खेल उपकरण	2025-26	8
3	बैंड सेट	2025-26	8
4	बैंड यूनिफॉर्म	2025-26	12.2
5	योग मैट	2025-26	7.17
6	खेल शिक्षकों की भागीदारी	2025-26	8.62
7	योग शिक्षकों की भागीदारी	2025-26	7.6
8	खेल उपकरण	2026-27	6
9	योग/मार्शल आर्ट शिक्षकों की भागीदारी	2026-27	14.4

*****